प्रकाशनार्थ

दिनांक – 05.10.2018

बायोटैक विभाग के छात्रों ने किया केन्द्रीय बकरी अनुसंधान केन्द्र का भ्रमण

आगरा। आनन्द इंजीनियरिंग कालेज टैक्नीकल कैम्पस आगरा के जैव–प्रौद्योगिकी विभाग के द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष के छात्र–छात्राओं ने केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, फरह (सी.आई.आर.जी.) का भ्रमण किया। इस दौरान छात्र–छात्राओं ने संस्थान में चल रहे विभिन्न शोध कार्यक्रमों एवं बकरी पालन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 विजय कुमार ने छात्रों को बताया कि संस्थान में कई किस्म की बकरियां हैं जिनमें जखराना, जमुनापरी, तोतापरी और बरबरी नस्ल की बकरियां प्रमुख हैं। उन्होने बताया कि संस्थान द्वारा बकरियों की नस्ल को और बेहतर बनाने एवं उनके दूध में विद्यमान गुणों में इजाफा करने पर रिसर्च चल रही है। उन्होने बताया कि जमुनापरी नस्ल सबसे ज्यादा दूध देने वाली नस्ल है, इसके दूध में एक खास किस्म का प्रोटीन पाया जाता है जो चिकिनगुनिया व डेंगू जैसे खतरनाक रोग से लड़ने में काफी सहायक है। संस्थान में बकरियों के दूध द्वारा बनाये जा रहे विभिन्न उत्पादों के बारे में भी छात्रों ने जानकारी प्राप्त की एवं दूध अनुसंधान प्रयोगशाला का भ्रमण कर अनुसंधान में उपयोग हो रहे विभिन्न उपकरणों एवं उनकी कार्यप्रणाली को जाना।

संस्था के निदेशक डा0 शैलेन्द्र सिंह ने बायोटेक के छात्रों एवं शिक्षकों को सफल औद्योगिक भ्रमण पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष डा0 आर0के0 जैन ने किया। भ्रमण के दौरान असिस्टेंट प्रोफेसर श्री प्रकाश कुमार, सुश्री सुकृती तिवारी, प्रयोगशाला सहायक श्री पंकज कुलश्रेष्ठ, श्री महेशचन्द अग्रवाल एवं सभी छात्र उपस्थित रहे।

शारदा ग्रुप के वाईस चैयरमेन श्री वाई0के0 गुप्ता जी एवं मुख्य अधिशासी उपाध्यक्ष श्री प्रदीप महता ने विभाग को छात्रों के लिए केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, फरह (सी. आई.आर.जी.) संस्थान का भ्रमण आयोजित करने के लिए बधाई दी।